

# प्रगति

वेकोलि की त्रैमासिक पत्रिका

अक्टूबर - दिसंबर 2025

सीएसआर विशेषांक



वेकोलि में 'मिशन SANDEEP' (SKILL ADVANCEMENT FOR NATION BUILDING AND DEFENCE ENTRY THROUGH EMPOWERMENT PROGRAMME) का शुभारंभ

वणी नार्थ क्षेत्र की राजुर पिट्स भूमिगत खदान में खनन कार्य प्रारंभ करने हेतु एग्रीमेंट

वेकोलि की टीम ने जीता सीआयएल इंटर-कंपनी कबड्डी टूर्नामेंट

# WCL'S VISIONARY LEADERS



श्री जय प्रकाश द्विवेदी  
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक



श्री बिक्रम घोष  
निदेशक (वित्त)



श्री आनंदजी प्रसाद  
निदेशक तकनीकी (परि. एवं यो.)



डॉ. हेमन्त शरद पांडे  
निदेशक (मानव संसाधन)



श्री अजय मधुकर म्हेत्रे  
मुख्य सतर्कता अधिकारी



## अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक का संदेश

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका "प्रगति" का नवीन अंक प्रकाशित हो रहा है। यह विशेषांक वेकोलि द्वारा किए जा रहे सीएसआर कार्यों पर केंद्रित है।

वेकोलि के सीएसआर कार्य, आसपास के समुदायों के साथ साझेदारी करते हुए उनके जीवन में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाने का प्रयास है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे हमारे प्रयास इस सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। "प्रगति" का यह विशेषांक इन कार्यों को समग्र रूप से प्रस्तुत करते हुए उनके वास्तविक प्रभाव को उजागर करेगा।

मैं "प्रगति" की सम्पादकीय टीम एवं इस विशेषांक में योगदान देने वाले सभी के प्रयासों की सराहना करता हूँ। मुझे विश्वास है कि सीएसआर पर आधारित यह विशेषांक पाठकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी, जानकारीपूर्ण और संवेदनशील अनुभव सिद्ध होगा तथा समाज के प्रति वेकोलि की सकारात्मक भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

**(जे. पी. द्विवेदी)**

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक  
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड



## सीएसआर विशेष



Shri Devendra Fadnavis, Hon'ble Chief Minister of Maharashtra, inaugurated the CSR project of WCL at Maharogi Sewa Samiti's Anandwan on the organisation's 75<sup>th</sup> Anniversary. Also present on the dias – Sri Ram Naik, Former-Governor, Govt of Uttar Pradesh, Sri Uday Samant, Hon'ble Minister of Industries, Govt of Maharashtra & Sri Vikas Amte, Secretary, Maharogi Sewa Samiti, Warora.



Distribution Ceremony of Hearing Aids to underprivileged Children under CSR by Sri Nitin Gadkari, Hon'ble Minister of Road Transport & Highways, Govt of India along with Sri J.P. Dwivedi, CMD WCL



Sri Sathya Sai Sanjeevani Eye Hospital in Yavatmal, a Project supported by WCL under CSR was inaugurated virtually by Sri Nitin Gadkari, Hon'ble Minister of Road Transport & Highways in the divine presence of Sadguru Sri Madhusudhan Sai. The event was attended by dignitaries including Sri C. Srinivas (from Satya Sai Trust), Sri Anilji Bonde (Member of Parliament, Rajya Sabha), Dr. Vikas Mahatme (Former Member of Parliament, Rajya Sabha), and Sri Prakash Nandurkar. Representing WCL was Sri Sekhar Rayaprolu, Manger (CD), CSR Department, WCL HQ.



Shri Ramdas Athawale, Hon'ble Minister of State for Social Justice and Empowerment, Govt of India along with Dr. H.S Pande, D (HR), WCL and Sri G. Sitaraman, General Manager (CSR) inaugurated the Dental Care Unit at Dr. Babasaheb Ambedkar Super Multi Speciality Charitable Hospital, Nagpur.



Shri Pankaj Bhojar, Hon'ble Minister of State and Guardian Minister of Wardha District, Government of Maharashtra inaugurating WCL's CSR Project of Construction of shed for rehabilitation of rescued animals at People's for Animals Campus, Wardha. Representing WCL were Sri Sanjay Kota, Manager (HR) and Smt. Resmi R, Manager (CD), Welfare/CSR Department, WCL HQ.



Happy School Project – A Collaborative Project with Nagpur Municipal Corporation (NMC) & Jichkar Foundation to make government schools more interactive, engaging and beautiful learning spaces for all children by redesigning existing schools to encourage independent and innovative ways of learning through concept of Building as Learning Aid (BaLA). 42 classrooms were redesigned in 5 NMC Schools.

## प्रगति पथ पर...



दिनांक 06 दिसम्बर 2025 को वेकोलि मुख्यालय में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई कार्यक्रम में वेकोलि के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी सहित सभी निदेशक गण, मुख्य सतर्कता अधिकारी, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी विनम्र श्रद्धा व्यक्त की।



एससीसीएल द्वारा आयोजित इंटर-कंपनी कबड्डी टूर्नामेंट में चैंपियन बनी वेकोलि की कबड्डी टीम ने निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे से भेंट की और उन्हें ट्रॉफी सौंपी। इस मुलाकात के दौरान डॉ. पांडे ने टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन, फिटनेस, अनुशासन और टीमवर्क की सराहना की।



वेकोलि मुख्यालय में 14.11.2025 को राष्ट्र-निर्माण हेतु समर्पित 'मिशन SANDEEP' (Skill Advancement for Nation Building and Defence Entry through Empowerment Programme) का भव्य शुभारंभ किया गया। यह पहल युवाओं को सेना, नौसेना और वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु क्रियान्वित की गई है।



वेकोलि ने कोल इंडिया तथा उसकी सभी सहायक कंपनियों के बीच पहला अत्याधुनिक मल्टीमीडिया स्टूडियो अपने मुख्यालय में स्थापित किया। इस स्टूडियो का उद्घाटन वेकोलि के सीएमडी श्री जे. पी. द्विवेदी द्वारा निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय मधुकर म्हेत्रे की उपस्थिति में किया गया।



वेकोलि में 04 नवंबर 2025 को डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (DLC) कैम्पेन 4.0 का शुभारंभ अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी द्वारा किया गया।



14 से 16 अक्टूबर 2025 तक वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय में "कोल इंडिया अंतर कंपनी पॉवरलिफ्टिंग, वेटलिफ्टिंग एवं बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता 2025-26" आयोजित हुई। प्रतियोगिता में वेकोलि की टीम विजेता और एससीसीएल की टीम उपविजेता रही। एससीसीएल के श्री श्रीनिवास रेड्डी 'मिस्टर कोल इंडिया', वेकोलि के श्री मोहितराम अन्दवन 'स्ट्रॉन्ग मैन', सुश्री हीरामणि मंडल 'स्ट्रॉन्ग वूमेन' तथा एमसीएल के श्री रविन्द्र बेहरा 'बेस्ट लिफ्टर' बने।

## प्रगति पथ पर...



माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चन्द्र दुबे दिनांक 27 नवंबर 2025 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के दौरे पर रहे। अपने दौरे में उन्होंने मुख्यालय में स्थापित ई-वाहन फास्ट इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन, इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) फॉर ई-सर्वेल्स का निरीक्षण, वेकोलि की नई वेबसाइट, चंद्रपुर क्षेत्र की अमृत फार्मसी एवं हथियार प्रशिक्षण केंद्र "SHASTra" का उद्घाटन किया तथा वेकोलि की समीक्षा बैठक ली।



WCL में 18 अगस्त से 17 नवंबर 2025 तक चले सतर्कता जागरूकता अभियान का समापन समारोह 28 नवंबर को मुख्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता WCL के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री जे. पी. द्विवेदी ने की, जबकि CIL के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री बृजेश कुमार त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



वेकोलि के वणी क्षेत्र में क्षेत्रीय वित्त प्रबंधक के पद पर कार्यरत श्री प्रेम कुमार की सुपुत्री सुश्री डॉ. पलक कुमार ने NEET-PG परीक्षा में महाराष्ट्र में 142वां तथा आल इंडिया स्तर पर 1597वां स्थान हासिल किया। वेकोलि परिवार की ओर से डॉ. पलक को हार्दिक शुभकामनाएँ।



सतर्कता जागरूकता अभियान 2025 के समापन अवसर पर दिनांक 29 नवंबर 2025 को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कवि डॉ. राहुल अवस्थी, श्री सुशील ठाकुर, डॉ. सोनी सुगंधा और श्री शादाब अंजुम ने अपनी रचनाएँ सुनाईं। इस दौरान सीवीओ, सीआयएल श्री बृजेश कुमार त्रिपाठी द्वारा भी कविताएँ प्रस्तुत की गईं।



WCL एवं कोल इंडिया लिमिटेड के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 26 नवंबर 2025 को भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही, संगठन में अपनी सेवाओं से दीर्घकालीन, प्रभावशाली एवं अमूल्य योगदान देने वाले वरिष्ठ अधिकारियों को "लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया गया।



दिनांक 17 नवंबर 2025 से 01 दिसम्बर 2025 तक वेकोलि में 'वार्षिक खदान सुरक्षा पखवाड़ा 2025' मनाया गया। पखवाड़े का उद्घाटन दिनांक 17 नवंबर 2025 को निदेशक तकनीकी (संचालन / परियोजना एवं योजना) श्री आनंद जी प्रसाद द्वारा निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शर्मा पांडे तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया था।

## प्रगति पथ पर...



कोल इंडिया लिमिटेड तथा वेकोलि के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नागपुर के सुरेश भट्ट सभागृह में प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता सुश्री जया किशोरी का प्रेरणादायी व्याख्यान आयोजित हुआ।



वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के इंदोरा परेड ग्राउंड में 'इंटर एरिया ड्रिल प्रतियोगिता-2025', 17.12.2025 से 19.12.2025 तक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का भव्यसमापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 19.12.2025 को मुख्य अतिथि सीएमडी श्री जय प्रकाश द्विवेदी तथा निदेशक गण की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।



## *Our Inspiration*

### **SHRI JAI PRAKASH DWIVEDI** CMD, WCL

Shri Jai Prakash Dwivedi took charge as Chairman-cum-Managing Director, WCL on 1<sup>st</sup> February, 2024. Prior to that, he was working as Director (Technical) since 4<sup>th</sup> February, 2022. Shri Jai Prakash Dwivedi has over 3 decades of experience in forefront of operations. His vast experience includes both mega level opencast as well as underground coal mines at different subsidiaries of Coal India Limited. He started his career in Coal India Limited in 1986 as a mining engineer after completing his graduation in mining engineering from IIT-BHU, Varanasi. He has served for 28 years in SECL, 4 years in ECL and 3 years in NCL. He completed his PG Diploma in Marketing Management in 1999 and has undergone various international exposure through different programmes organized abroad viz: Advance Management Training on Automation System at Russia, Growth-oriented leadership in emerging global environment at China & France, in Implementation of continuous miner technology at South Africa and has participated in World's Premier Mineral Exploration & Mining Convention in Toronto, Canada. He has attended MINExpo International 2024 in Las Vegas, Nevada, USA and also attended meeting at Washington D.C. with POWERSCAPE GLOBAL on coal gasification. He has vast experience in all types of coal mining technologies, in opencast and in underground mines with modern technologies like Longwall mining, Continuous Miners and also in conventional underground mines with caving & stowing methods. He was instrumental in introduction of Continuous Miner (CM) at Jhanjra underground mines of ECL, similarly introduction of Surface miners at Nigahi OCP of NCL and commissioning of 24/96 Dragline at Amlohri OCP, NCL. His efforts have always been recognized and he was conferred with the 'Best Engineer Award' by the Institution of Engineers and Best Area General Manager - individual excellence award by CIL. With his variety of experience, remarkable foot prints have been marked by registering positive growth in production at all the places he worked including WCL which has also recorded the highest ever coal production, Offtake, OBR and Profit during FY 2023-24. Recently on 09<sup>th</sup> November, 2024, he has been awarded the prestigious title of "CEO of the Year" by the Public Relation Council of India (PRCI) at the hands of Shri Shripad Naik, Hon'ble Minister of State for Power, GOI at Mangalore, in recognition of his exemplary leadership and contributions to the mechanization of coal mining along with strategic digital PR activities of WCL. Under his leadership, Western Coalfields Limited has achieved a landmark achievement with issuance of final mine closure certificates for six mines. Since joining in WCL, He has been nominated as a Part-Time Director on the Board of Singareni Collieries Company Limited by Ministry of Coal, Govt. of India.

## PATRON

**SHRI J. P. DWIVEDI**  
CMD, WCL

**SHRI BIKRAM GHOSH**  
Director (Finance)

**SHRI ANANDJI PRASAD**  
Director (Operations & P&P)

**Dr. HEMANT SHARAD PANDE**  
Director (HR)

**SHRI AJAY MADHUKAR MHETRE**  
Chief Vigilance Officer

## UNDER THE GUIDANCE OF

**SHRI SATISH GABALE**  
General Manager (Mining/PR)

## EDITORIAL BOARD

**SHRI MILIND CHAHANDE**  
Manager (PR) - Editor

**SMT ANUPAMA TEMURNIKAR**  
Chief Manager (HR)

**SHRI GIRI BAHADUR THAPA**  
Manager (HR/Admin)

**SHRI ANUJ MATHUR**  
Manager (BD)

**SHRI MIMOH KOTHIYA**  
Manager (Forest)

**SHRI SHEKHAR RAYAPROLU**  
Manager (CD)

**MRS CHAMARTHI OJASWINI**  
Deputy Manager (Envnt)

**SHRI RAM D. JETTI**  
Deputy Manager (PR)

**SHRI HEMANT PODILA**  
Asst. Manager (IED)

**MISS PARIDHI VARMA**  
Assistant Manager (HR)

## INDEX

<b>Flagship Projects of CSR WCL</b> <i>By CSR Department, WCL HQ</i>	01
<b>WCL CSR: Changing Lives Across Central India</b> <i>By Shekhar Rayprolu, Manager (CD), CSR Dept, WCL HQ</i>	07
<b>Women Empowerment Through CSR</b> <i>By Resmi R, Manager (CD), CSR Dept, WCL HQ</i>	10
<b>Finding My Way: A CSR Journey With WCL PENCH AREA</b> <i>By Vaibhav Komal Deshbharratar, Asst. Manager (CD), PENCH AREA</i>	12
<b>CSR Awards and Recognition 2025</b>	15
<b>A Quagmire To Cross</b> <i>By Hari Pillai, Manager (CD), Umrer Area</i>	16
<b>Book Review : The Fountainhead</b> <i>By Giri Bahadur Thapa, Manager (HR/Admin), WCL HQ</i>	21
<b>Travelogue: Uttarakhand, In the Heart of Mountain</b> <i>By Chamarthi Ojaswini, Dy. Manager (Env.), WCL HQ</i>	23
<b>Historical Place: The Nagpur Central Museum</b> <i>By Paridhi Verma, Asst. Manager (HR), WCL HQ</i>	27
Quiz	

**We invite write-ups for the next issue of Pragati**  
(January - March 2026)

Please send your articles, poems, short stories, recent news, writings regarding new initiative or innovation in your work, travelogue, book review, etc to:

**milind.chahande@coalindia.in**

**Whatsapp No: 09425531225**

### **Disclaimer:**

The views, opinions and content expressed in the articles, poems, stories and other contributions are those of the respective authors and do not necessarily reflect the views or policies of Western Coalfields Limited (WCL). WCL does not endorse, recommend or assume responsibility for the accuracy, validity or opinions presented in these contributions.

## FLAGSHIP CSR PROJECTS OF WCL

- CSR Department, WCL HQ

Western Coalfields Limited (WCL) has consistently demonstrated its commitment to holistic community development through impactful CSR initiatives. Operating across some of the most backward, rural, and tribal regions of Maharashtra and Madhya Pradesh, WCL has designed flagship programs that address critical gaps in education, healthcare, nutrition, skill development, and social empowerment. These initiatives not only uplift vulnerable communities but also create long-term, sustainable transformation. Below are the highlights of WCL's key flagship CSR projects—TARASH, SUSHRUTA, PRAGATI, PANKH, NANHA SA DIL, and POSHIT—each of which represents WCL's vision of inclusive growth and strategic social intervention.

### Project TARASH – Empowering Rural Talent Through Quality Education



Project TARASH (Talent Amplification of Rural youth through Aggressive Skill Hunt) is a flagship CSR initiative of Western Coalfields Limited (WCL) designed to identify, nurture, and mentor academically bright students from economically weaker sections studying in Government and Government-aided schools across WCL's operational districts. The objective is simple yet transformative: to create equitable access to premier coaching for JEE and NEET, enabling rural students to compete on par with their urban counterparts and build strong career pathways in engineering and medicine.

TARASH follows a transparent and merit-based selection process. Eligible students from Government, Government-aided, Zilla Parishad, Municipal Corporation, Tribal and WCL-aided schools with parental income below ₹8 lakh per annum appear for a two-stage assessment: 50% weightage to Xth Board marks and 50% to an entrance exam. Selected students are provided free residential coaching, Accommodation with transport, Schooling and ₹1000 per month stipend. The project is implemented in partnership with Aakash Institute and Narayana Institute, ensuring high-quality academic support.

## Batch Profile

- 1<sup>st</sup> Batch: 30 students (15 JEE + 15 NEET) – 19 Girls & 11 Boys
- 2<sup>nd</sup> Batch: 40 students (17 JEE + 23 NEET) – 19 Girls & 21 Boys
- 3<sup>rd</sup> Batch: 40 Students (20 JEE + 20 NEET) – 27 Girls & 13 Boys

The Three batches reflect true social inclusion—85% of students are from OBC/SC/ST community; children of farmers, tailors, labourers, conductors, and shop workers; and a strong gender balance, breaking barriers and inspiring social mobility.

## Direct Impact

TARASH has significantly transformed the academic readiness and confidence of its students. Many of them, who earlier lacked access to quality coaching, now compete at national levels for top engineering and medical seats. The program has built high self-esteem, discipline, career clarity, and a strong learning environment. For many families, TARASH represents the first opportunity for their children to aspire for AIIMS, IITs, and other premier institutions—thus creating pathways for long-term socio-economic upliftment.

## Indirect Impact

TARASH has triggered a powerful ripple effect across communities.

- The presence of TARASH students as role models has raised aspirations across entire communities, ensuring long-term and sustainable social transformation.
- Government school enrollment has increased as Teachers are motivated to improve teaching quality, seeing competitive outcomes as achievable.
- Students in lower classes study harder, inspired by TARASH achievers from their villages.
- A cultural shift has emerged where merit, discipline, and higher education are deeply valued.

## Project SUSHRUTA – Preventing Hemoglobinopathies Through Community-Level Screening

Main objective of Project SUSHRUTA (Survey, Understand & Solve Healthcare Issues in Rural, Underprivileged and Tribal Areas) is to prevent the spread of Hemoglobinopathies—particularly Sickle Cell Disease and Thalassemia—in regions where these inherited disorders are highly prevalent. India has over 4.2 crore silent carriers of Beta-Thalassemia alone, many of whom remain unaware of their carrier status and unknowingly transmit the condition to the next generation. To address this public health challenge, SUSHRUTA focuses on universal screening of youth between 15–35 years, coupled with awareness and counselling.



Initially, WCL, in partnership with Lok Kalyan Diagnostics, Nagpur, has screened 79,000 youth across Nagpur, Chandrapur, Yavatmal (Maharashtra) and Chhindwara, Betul (Madhya Pradesh) of which around 5000 have been identified as asymptomatic carriers of these blood disorders. The project involves community mobilisation, blood sample collection, confirmatory tests such as CBC and HPLC, reporting, and personalised counselling for identified carriers. By identifying at-risk individuals early, the project empowers youth to take informed decisions regarding future family planning and medical care.

To strengthen prevention further, WCL introduced SUSHRUTA 2.0, a focused initiative on antenatal screening implemented in partnership with Sankalp India Foundation. Through Government Hospitals, pregnant women are tested for hemoglobinopathies during routine ANC visits. If a mother tests positive, her spouse is screened, followed by genetic counselling and referrals for prenatal diagnostic options when required. This targeted approach directly prevents the birth of children with Thalassemia Major or Sickle Cell Disease.

Together, SUSHRUTA 1.0 and 2.0 aimed to create a comprehensive, preventive healthcare ecosystem—raising awareness, reducing genetic disease burden, and contributing to long-term health improvement across rural and tribal communities.

## Project PRAGATI - Empowering Rural Youth Through Placement-Oriented Skill Development

Project PRAGATI is WCL's legacy flagship CSR initiative running since past 10 years, which is aimed at transforming the lives of rural youth residing around WCL's mining areas. These communities often face limited employment opportunities, low income levels, and a lack of access to professional training. With rapid industrial growth and rising demand for skilled manpower, the gap between traditional livelihoods and modern employment has widened. To bridge this gap, PRAGATI focuses on providing industry-relevant, placement-oriented vocational training that equips youth with the skills needed for stable and sustainable livelihoods.



Under PRAGATI, WCL partners with national-level institutes such as CIPET, ATDC, FDDI, CIIF, and ACF, offering training across diverse job roles including Machine Operators, Welders, AC Technicians, Drivers, Apparel Designers, Footwear Designers, General Duty Assistants and more. The program ensures high-quality training, certification, industry exposure, and post-training support to facilitate employment or self-employment.

Over the last three years, Project PRAGATI has demonstrated exceptional effectiveness in transforming rural youth into employable, industry-ready professionals. A total of 2,535 youth have been trained under the program, out of which 1,381 have already secured employment across various sectors such as manufacturing, apparel, healthcare, retail, automotive, and technical services.

These outcomes reflect a strong placement ratio and highlight the program's success in linking rural talent with manufacturing, apparel, healthcare, retail, and technical sectors across India. A notable number of candidates have also opted for self-employment, contributing to local entrepreneurship.

Through Project PRAGATI, WCL is not just imparting skills—it is fostering economic mobility, improving household incomes, empowering women, and strengthening the socio-economic fabric of mining-affected communities. The initiative stands as a model of how targeted CSR interventions can create lasting impact and open pathways to a better future.

## Project Nanha Sa Dil – Delivering Hope Through Free Life-Saving Heart Surgeries for Underprivileged Children



Project Nanha Sa Dil is Western Coalfields Limited's (WCL) flagship health intervention dedicated to saving the lives of children suffering from congenital heart defects (CHDs). CHDs are one of the leading causes of infant and early childhood mortality, and treatment often requires complex surgeries costing more than ₹2.5 lakh—an amount far beyond the reach of families living in rural and economically weaker regions of Central India. Through Nanha Sa Dil, WCL ensures that no child is denied a future simply because their family cannot afford a critical surgery.

To deliver this mission, WCL partners with two premier institutions. The first is Swami Vivekananda Medical Mission (SVMM) Hospital, Nagpur, a charitable cardiac centre equipped with state-of-the-art operation theatres, paediatric ICUs, a Cath-lab, and a highly specialised paediatric cardiac team. In FY 2024–25, WCL enabled 119 free paediatric heart surgeries through SVMM—each surgery restoring a child's ability to breathe, grow, attend school, and live a healthy life. Recognising the overwhelming need and success of the program, WCL has scaled up its commitment for FY 2025–26, approving support for 200 additional surgeries at SVMM, doubling its impact and ensuring that more families receive life-saving intervention without financial hardship.

To widen the reach further, WCL has also partnered with the Sri Sathya Sai Health & Education Trust (SSSHET), known for its "Hospitals Without Billing Counters" model. Through screening camps across Nagpur, Chandrapur, and Yavatmal, and 100 free surgeries at Sri Sathya Sai Sanjeevani Hospital, Navi Mumbai, this collaboration strengthens early detection and advanced treatment of CHDs in the region.

Through these integrated partnerships and expanded outreach, Project Nanha Sa Dil continues to transform healthcare access, save lives, and give hundreds of children the priceless gift of a healthy heart and a bright future.

## Project POSHIT – Providing Opportunities for Sustained Health Improvement Through Nutrition for Targeted Groups



Project POSHIT is WCL flagship nutrition-focused CSR initiative designed to bridge critical nutritional gaps among vulnerable and underserved communities. The name itself reflects the project's mission: to improve key health indicators through targeted nutritional interventions, awareness generation and long-term behavioural change among populations facing chronic undernutrition and economic hardship.

Recognising the pressing challenges in the backward and tribal-dominated regions of Gadchiroli, WCL has partnered with the District Administration of Gadchiroli to deliver supplementary nutrition to those who need it the most. In FY 2024–25, the project extended support to more than 7000 lactating mothers and around 10000 children, ensuring they receive nutritious food for an entire year. Each Supplementary Nutrition Kit is thoughtfully curated and includes dry dates, dry coconut, jaggery, Bengal gram, peanuts, cow ghee, almonds, cashews, gond laddus, aliv seeds, flax seeds, sesame seeds, ajwain, fennel seeds and black salt—ingredients rich in proteins, minerals, healthy fats and micronutrients essential for growth, lactation, immunity and cognitive development.

### Scaling Up for Greater Impact:

Building on its success and community acceptance, WCL has expanded the project for FY 2025–26 to support more than 15000 pregnant and lactating mothers across Gadchiroli district. This scale-up ensures deeper reach and sustained improvement in maternal nutrition, pregnancy outcomes and early childhood health.

Beyond food distribution, POSHIT aims to instill lasting dietary awareness and empower families with knowledge about nutrition, hygiene and home-based care. By reinforcing healthy practices and reducing nutritional deficiencies, the project contributes directly to reducing maternal anaemia, improving birth weights and enhancing early childhood development. Through POSHIT, WCL stands committed to building a healthier, more resilient future for the most vulnerable families of Gadchiroli

## Project SANDEEP – Inspiring Rural Youth for Defense, Discipline and Nation-Building



Project Project SANDEEP (Skill Advancement for Nation-Building and Defense Entry through Empowerment Programme) is WCL's pioneering CSR initiative aimed at transforming the aspirations of rural and underprivileged youth into meaningful careers in the Indian Armed Forces and allied uniformed services. The project is named in honour of Major Sandeep Unnikrishnan, the 26/11 martyr who lived by the motto "Nation First, Always First," symbolising courage, discipline and service above self.

The initiative began as a small pilot in FY 2024–25, training just 20 youth through Life Skills Foundation in Nagpur. The pilot included academic coaching, physical training and personality development to prepare candidates for examinations such as Agniveer Army, Navy MR, Air Force X & Y Group, BSF, CISF, CRPF, RPF and SSC GD. Its success was immediate—several candidates cleared written, physical and medical rounds of recruitment, proving that with structured guidance, even youth from mining-affected communities can excel in competitive defense pathways.

Building on this success, WCL scaled up Project SANDEEP across all 10 operational command areas—Nagpur, Umred, Kanhan, Pench, Pathakheda, Chandrapur, Ballarpur, Majri, Wani and Wani North. The response was overwhelming: 541 candidates registered, 350 appeared for the initial examinations and after a stringent selection process, 47 cadets were shortlisted for residential training.

These cadets now undergo free, full-time residential training at a Defense Preparatory Academy in Nagpur. Their routine includes early-morning physical conditioning, endurance building, 5 km runs, discipline drills and academic coaching in mathematics, science, reasoning, English and current affairs. Regular leadership workshops, personality development sessions and interactions with retired defense personnel instill confidence, patriotism and mental resilience.

Beyond defense exam preparation, SANDEEP is creating social transformation. It channels youth energy towards discipline, reduces uncertainty, fosters community pride and inspires families across coalfield regions. WCL envisions SANDEEP as an annual movement—one that consistently molds rural youth into confident, service-oriented citizens who carry forward the spirit of nation-building.

### Conclusion

These flagship CSR initiatives together represent WCL's deep-rooted commitment to social transformation. By investing in education, healthcare, nutrition, women empowerment, and livelihood development, WCL is shaping the foundations of a stronger, more equitable future for communities across its command areas. Each project reflects the organisation's belief that corporate responsibility extends beyond statutory obligations—it lies in building lives, nurturing talent, safeguarding health, and ensuring dignity for all. As WCL continues to expand and strengthen its CSR footprint, these initiatives will remain cornerstones of sustainable development and inclusive growth in Central India.

## WCL CSR : CHANGING LIVES ACROSS CENTRAL INDIA



**SEKHAR RAYAPROLU**  
Manager (CD), CSR Dept  
WCL HQ

*The simplest acts of kindness are by far more powerful than a thousand heads bowing in prayer.*  
-Mahatma Gandhi

Beyond producing energy for the nation, WCL continues to illuminate lives across Central India through education, healthcare, skill development, and sustainable community transformation through its CSR initiatives.

### A Commitment Rooted in Responsibility

CSR at WCL is not an act of charity; it is an act of commitment. Guided by Section 135 of the Companies Act 2013, the Companies (CSR) Rules, and the Schedule VII framework, WCL's CSR Policy aligns its interventions with the national agenda for inclusive and sustainable growth. The company's CSR vision resonates with the UN Sustainable Development Goals (SDGs) – ensuring that every rupee spent contributes to building stronger, healthier, and self-reliant communities.

At the heart of this effort lies a robust governance structure. The CSR Committee of the Board provides strategic direction, while a dedicated CSR Department at headquarters coordinates implementation across ten operational Areas in Maharashtra and Madhya Pradesh. Each Area along with WCL HQ has its own Multi-Disciplinary CSR sub-committee, ensuring need-based planning and grass roots execution.

### Investing in People – The Financial Story

Over the past four years, WCL has demonstrated consistent commitment to community welfare, spending more than its mandate CSR.

YEAR	CSR Budget (in Rs Crore)	Expenditure for CSR activities (in Rs Crore)	Achievement (%)
2021-22	10.06	12.54	125%
2022-23	11.54	11.62	101%
2023-24	11.75	13.97	119%
2024-25	36.99	52.51	142%

Table 1: WCL CSR Budget & Expenditure in last 4 years

### Category-wise distribution reveals WCL's focus areas:

- Healthcare & Nutrition: Upgradation of Hospitals, supporting tertiary care, Preventive care and eradication of Hunger & malnutrition.
- Education & Youth Empowerment: Upgradation of School Infrastructure, Improvement of earning outcomes, STEM, Job oriented Skill development, Coaching.
- Environment & Sustainability: Rejuvenation of Water Bodies, Solar Power, Plantations.
- Women Empowerment: Livelihood Generation, Hand Holding.
- Rural Development: Rural infrastructure like village roads, drainages, community hall.

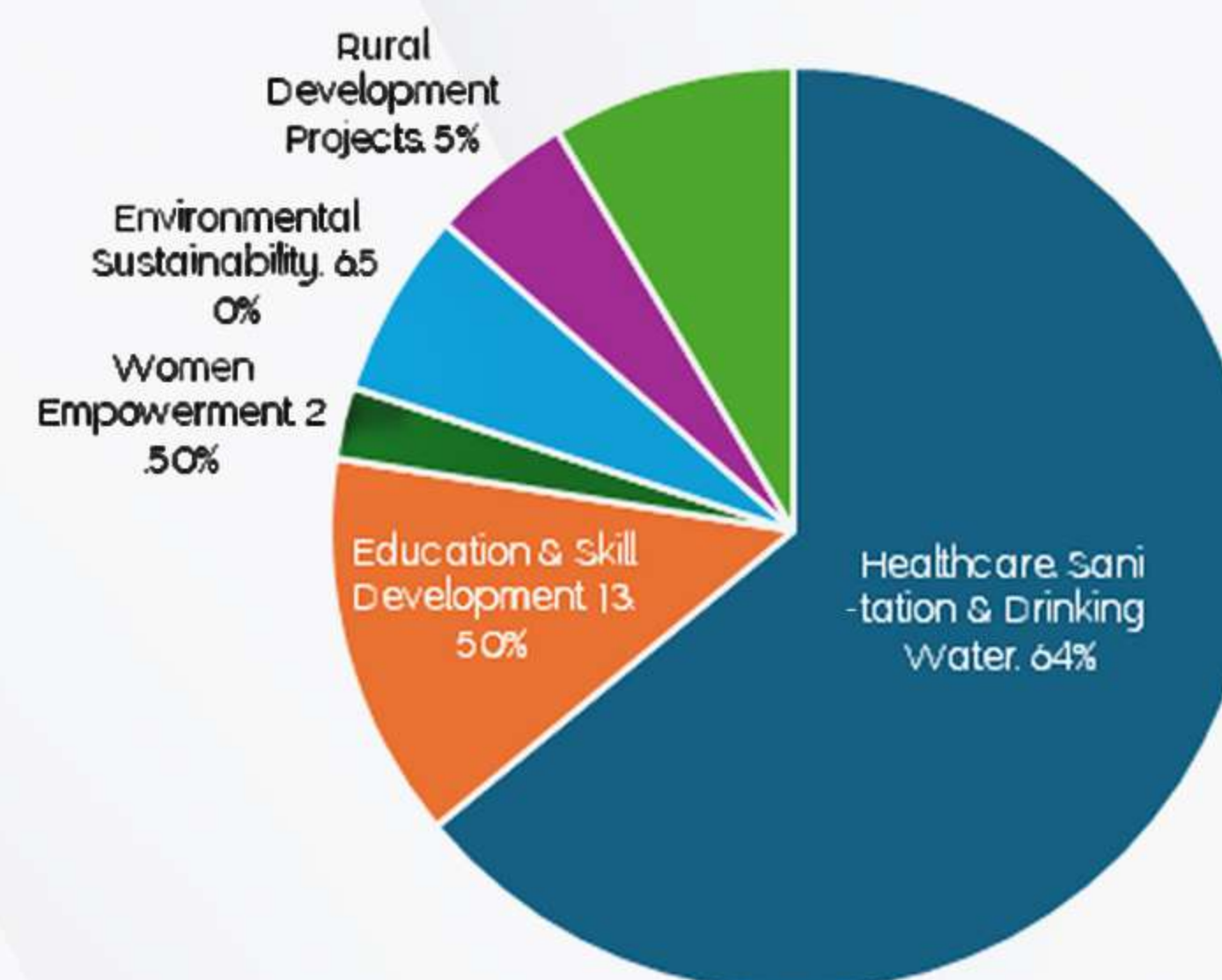


Chart 1: WCL Theme-wise CSR Expenditure for FY 2024-25



## Recognition to WCL's CSR Efforts

- From its very inception, WCL's innovative CSR initiatives have been acknowledged among the finest in the country. Over the years, WCL has received several prestigious honours, including the Skoch Blue Award, CSR Times Award, IPE International CSR Conference Award, and many others.

WCL's commitment to Swachhata and cleanliness initiatives has been consistently appreciated at both Ministry of Coal (MoC) and Coal India Limited (CIL) levels. The company has been honoured with Best Practices Awards at MoC and CIL for three consecutive years (2023, 2024, and 2025).

- Further, for surpassing its statutory obligations and demonstrating exemplary commitment to community welfare, WCL was conferred the Corporate Award on CSR Excellence by Coal India Limited during its Foundation Day celebrations in 2023 and 2025.

## Monitoring Impact with Transparency

Every CSR initiative undergoes periodic evaluation through internal and external monitoring. WCL impact assessments, and beneficiary feedback to measure social returns. This evidence-based approach allows replication of successful models and rational allocation of future budgets.

## The Road Ahead – Vision 2030

As WCL moves forward, its CSR vision is clear: to scale up high-impact models, integrate technology, and deepen its engagement with marginalized communities.

Future priorities include:

### AI-Enabled CSR Governance:

Deploy AI/ML tools for predictive community needs assessment, real-time project monitoring, and Social Return on Investment (SROI) tracking to make CSR fully data-driven.

### Climate-Resilient Community Programs:

Implement large-scale climate action initiatives such as solar microgrids, climate-smart agriculture, carbon-sink restoration, and nature-based solutions in mining regions.

### WCL Social Innovation Lab:

Establish a collaborative platform with universities, startups, NGOs, and research institutions to co-create high-impact solutions in education, healthcare, and environmental sustainability.

### Women-Led Livelihood Ecosystems:

Create women-run enterprise clusters, digital livelihood hubs, and producer groups to drive gender-transformative, self-sustaining economic empowerment.

WCL's CSR journey continues – steadfast in purpose, expanding in scope, and unwavering in its belief that true progress lies in the prosperity of the people it serves.

## WOMEN EMPOWERMENT THROUGH CSR: WCL PAVING THE PATH FOR INCLUSIVE GROWTH



**RESMI R**  
Manager (CD), CSR Department  
WCL HQ

*"Empowering women is not just good ethics, it's good economics." – Christine Lagarde*

At Western Coalfields Limited (WCL), CSR is more than a statutory obligation—it is a commitment to community development and social transformation. Among its many focus areas, Women Empowerment has emerged as a key pillar, enabling women to lead healthier, skilled, and economically independent lives. Through initiatives like Project Pankh, Project Saudamini, and other women-oriented programs, WCL is making a tangible impact on education, health, skill development, and livelihoods.

### I. Project Pankh: Empowering Girls, Breaking Barriers

*"When girls are healthy and confident, they can fly as high as their dreams."*

Among WCL's standout initiatives, Project 'PANKH' focuses on improving menstrual hygiene and spreading reproductive health awareness among schoolgirls across its operational districts. Under this project, WCL installed sanitary-napkin vending machines and incinerators in government and municipal schools. Hygiene kits were distributed, and health awareness sessions were conducted by trained educators and doctors. "PANKH" gave young girls the wings of dignity and knowledge, ensuring they no longer have to miss school because of a natural biological process.

#### Impact:

- Reduces school absenteeism and dropout rates among girls.
- Builds confidence, dignity, and awareness.
- Recognized as a "Best Practice in CSR" at the 6th International CSR Conference, IPE Hyderabad.

### II. Project Saudamini: Skills, Livelihoods, and Independence

*"Give a woman skills, and you give her a future."*

Project Saudamini is a more recent WCL CSR initiative aimed at urban women from self help groups (SHGs). This initiative aims to train and support urban women from self help groups (SHGs) helping them develop market ready skills and establish sustainable micro enterprises. WCL collaborated with Aroha Multipurpose Society and Nagpur Municipal Corporation (NMC) for this project.

#### Key features

- Skill upgradation training, business mentoring and market linkages for women SHGs.
- A stitching cluster at NMC premises in Nagpur was inaugurated under this project.
- NGO Aroha, with WCL assistance, is running a stitching cluster for urban marginalised women in Sitabuldi, Nagpur, training them in uniform stitching etc.



### Impact and Significance

- This project is directly linked to economic empowerment: training women in practical trade skills (stitching, tailoring) and linking to micro enterprise.
- It focuses on urban marginalised women.
- It helps women move into self employment or micro enterprise, increasing income, autonomy, social recognition.

### III. Other Women-Oriented CSR Initiatives

WCL's CSR vision extends beyond Pankh and Saudamini, fostering women empowerment through multiple avenues:

#### Self-Help Groups: From Dependence to Independence

In parallel, WCL continued its support to women Self-Help Groups (SHGs) in its operational District. Under its livelihood-oriented CSR programmes, SHGs received skill trainings and supports to start livelihood initiatives like Goat rearing, tailoring machines, food-processing tools, and packaging equipment to start or expand micro-enterprises.



These women-led initiatives are transforming family incomes and building economic confidence in mining-affected communities. WCL's field officers and local panchayats regularly interact with SHG members to provide business guidance and financial literacy. For many participants, this has been the first step toward entrepreneurship and self-reliance.

#### Why WCL's Women Empowerment CSR Matters:

- Economic Empowerment: Creates sustainable income and self-reliance.
- Social Empowerment: Promotes confidence, dignity, and awareness.
- Capacity Building: Develops skills for long-term independence.
- Community Impact: Benefits families and strengthens communities.

Through Project Pankh, Project Saudamini, and other women-focused CSR initiatives, Western Coalfields Limited is transforming the lives of women and shaping stronger communities. By empowering women with education, skills, and economic independence, WCL not only fulfils its CSR mandate but also sets a benchmark for corporate responsibility, inclusion, and sustainable development. When women thrive, communities flourish. WCL believes in making this a reality.

## FINDING MY WAY: A CSR JOURNEY WITH WCL PENCH AREA



**VAIBHAV KOMAL DESHBHATAR**  
Asst. Manager (CD)  
Pench Area

When I joined Western Coalfields Limited (WCL) at Pench Area in January 2023, I carried with me two years of experience working in CSR at NTPC and a Master's degree in Community Organisation and Development Practice. Yet, walking into this new role, I realized that textbook knowledge and past experiences don't always translate neatly into a mining-sector environment. What followed was a humbling education not from classrooms or policy documents, but from villages, from community members, and from my own mistakes.

### The Learning Curve: What I Didn't Know I Didn't Know

My first action plan arrived like an eager student's assignment. It was packed with civil works and procurement activities, infrastructure repair, goods distribution, the kind of work you could check off with clear metrics and photos. By March, everything was executed. The tasks were done, the deliverables were met, and on paper, it looked like CSR at its best. But something felt incomplete.

In April 2023, WCL gave me the opportunity to attend the CSR Conclave at Ranchi. It became the inflection point of my journey. The conversations there fundamentally cleared my understanding of what CSR should be.

### The key lesson:

We were doing too much of the civil works, the procurement and distribution and not enough of the transformative work. More critically, we were operating in silos when we should have been partnering with credible implementing organizations who had deep roots in the communities we wanted to serve.

I returned to Pench with this clarity, but also with a problem: I didn't know where to find the right

NGOs, and even when I did identify them, the nomination process felt cumbersome and uncertain. How do you assess credibility? How do you verify impact? Who do you trust?

### The Turning Point: Engaging Real Change

That second action plan became my testing ground. I decided I would do at least one activity that broke the mold, something that wasn't civil or procurement-focused. That's when the sanitary pad making machine arrived. Rather than leaving it as another donated asset, I saw it as a doorway to something larger.

Working with SRLM (State Rural Livelihoods Mission) in Parasia Block, I developed a menstrual hygiene management project that felt organic, not imposed. The goal was to create an annual menstrual kit containing sanitary pads, towels, and sanitizer items that would reach 1,500 tribal women across 15 villages. But beyond distribution, I wanted to build capacity. We trained women from SHGs to become master trainers and facilitators for menstrual hygiene awareness sessions in their own communities.

Those 15 village visits changed me. Sitting in anganwadis and village squares, listening to women talk about their experiences, their barriers, their needs, it was fieldwork in the truest sense. I interacted with over 3,000 women. I heard stories that no training manual or CSR framework document had prepared me for. I learned that well-intentioned programs fail when they don't listen first. The challenge of finding implementing partners remained, but now I understood why it mattered so much. I wasn't just looking for an organization; I was looking for a bridge between two worlds: our company's intentions and the community's reality.

## Building Momentum: The Third Year

By the third action plan, I was beginning to see patterns and possibilities. We had four major activities, each a different experiment in partnership and approach.

With HLL, a PSU partner, we installed sanitary vending machines and incinerators in 20 girls' schools, coupled with awareness programs. The logistical coordination was complex, but the clarity of the partner's mandate made execution smoother. The public library at Parasia, set up with NGO support, became a space where I could see tangible change in young people accessing information, studying in a dedicated space, and the community reclaiming literacy as a right. Employment skills training at the graduation college and polytechnic felt like investing in futures.

But the flagship project goat farming taught me the deepest lessons about sustainable change. Engaging PRADAN, an organization deeply embedded in rural development, transformed what could have been a simple income-generation scheme into something far more meaningful. Over seven villages and nearly one year PRADAN worked with 385 households and 2,030 goats. They trained Community Animal Health Workers "PashuSakhis" turning village women into veterinary resource persons. They focused not just on numbers but on systems: improved sheds, better feed management, farmer interest groups for market linkages.

The results weren't flashy lower disease rates, improved weight gains, women with new skills and agency. But when you sit with a farmer who's prevented a loss or a young woman who's found her calling as a health worker, you understand that this is CSR done right. It's about communities building their own.

## The Architecture of Transformation: Fourth Year Action Plans

For 2025-26, I approached action planning differently. I wasn't thinking about how many

activities I could pack in. I was thinking about building an architecture for change, not the annual kind, but multi-year, systems-based approaches.

The expanded goat farming project now reaches 1,000 households, deepening what PRADAN had begun. Project SWACHH, in partnership with Tata Chemicals Society for Rural Development, is about water security in 50 schools not through imported solutions, but through non-electric water purifiers and community capacity building that ensures sustainability beyond our involvement.

And then there's ADARSH Anganwadi, a project that synthesizes everything I've learned. Twenty anganwadi centers aren't just getting infrastructure upgrades (though solar systems, smart classrooms, nutrition gardens, improved spaces). They're becoming ecosystems where early learning thrives, where maternal and child health is monitored with care, where community members Anganwadi Sevikas, ANMs, ASHA workers are trained not just to deliver services but to be change agents within their own networks.

The project is implemented through PARARTH Samiti, an organization with deep roots in Chhindwara's tribal areas. They understand the context. They know the language literally and culturally. The work will be more grounded, more real.

## The Research That Revealed

This year, I had the opportunity to engage Master's students from Tata Institute of Social Sciences (TISS) to conduct a comprehensive needs assessment in our mine-affected areas. This wasn't about validating what we wanted to do; it was about discovering what the community actually needed.

The Need Assessment report gave me the humility to recognize the assumptions for developing project plans and replace them

with research-backed insights. These findings will shape the next phase of CSR strategy at PENCH Area for upcoming years, ensuring it's rooted in community reality.

## The Challenges That Shaped Me

The biggest challenge remains what it's been from the beginning: finding credible NGOs. The NGO ecosystem in rural India is complex. Some organizations have vision but lack execution capacity. Others have capacity but local legitimacy questions. I've learned that building trust with implementing partners takes far more time than timelines typically allow. You need to visit their project sites, talk to the communities they serve, understand their values and not just their credentials.

Managing secondary stakeholders, government officials, block administration, and district coordinators has taught me that decision-making speeds vary wildly. I've learned to align my expectations with the actual pace of real-world implementation, and honestly, this has reduced my frustration significantly.

## What I've Learned About Driving Sustainable Change

If I had to distill my journey into lessons, they would be these:

- The communities we serve understand their challenges better than any external assessment can capture. Recognizing them as primary stakeholders and ensuring their active participation from planning to execution and completion can enhance project relevance and sustainability by fostering a true sense of community ownership.
- Partnership is harder than solo execution, and infinitely more valuable. It's tempting to do things ourselves for speed and control. But sustainable change requires building local capacity and institutional memory. That only happens through real partnerships.

- Systems matter more than symbols. A sanitary vending machine at a school is nice; but a system where girls know how to use it, where supplies are replenished, where social norms allow them to access it without shame, that's transformation. CSR should design for systems, not projects.

- Context is everything. The same intervention won't work the same way in different villages. It's not just tribal areas versus urban areas; it's this village versus that village. Flexibility, not rigidity, drives success.

It takes longer than you think, and costs more than you budgeted. But if you've done it right, it costs less than you would have spent doing it poorly, because it actually works.

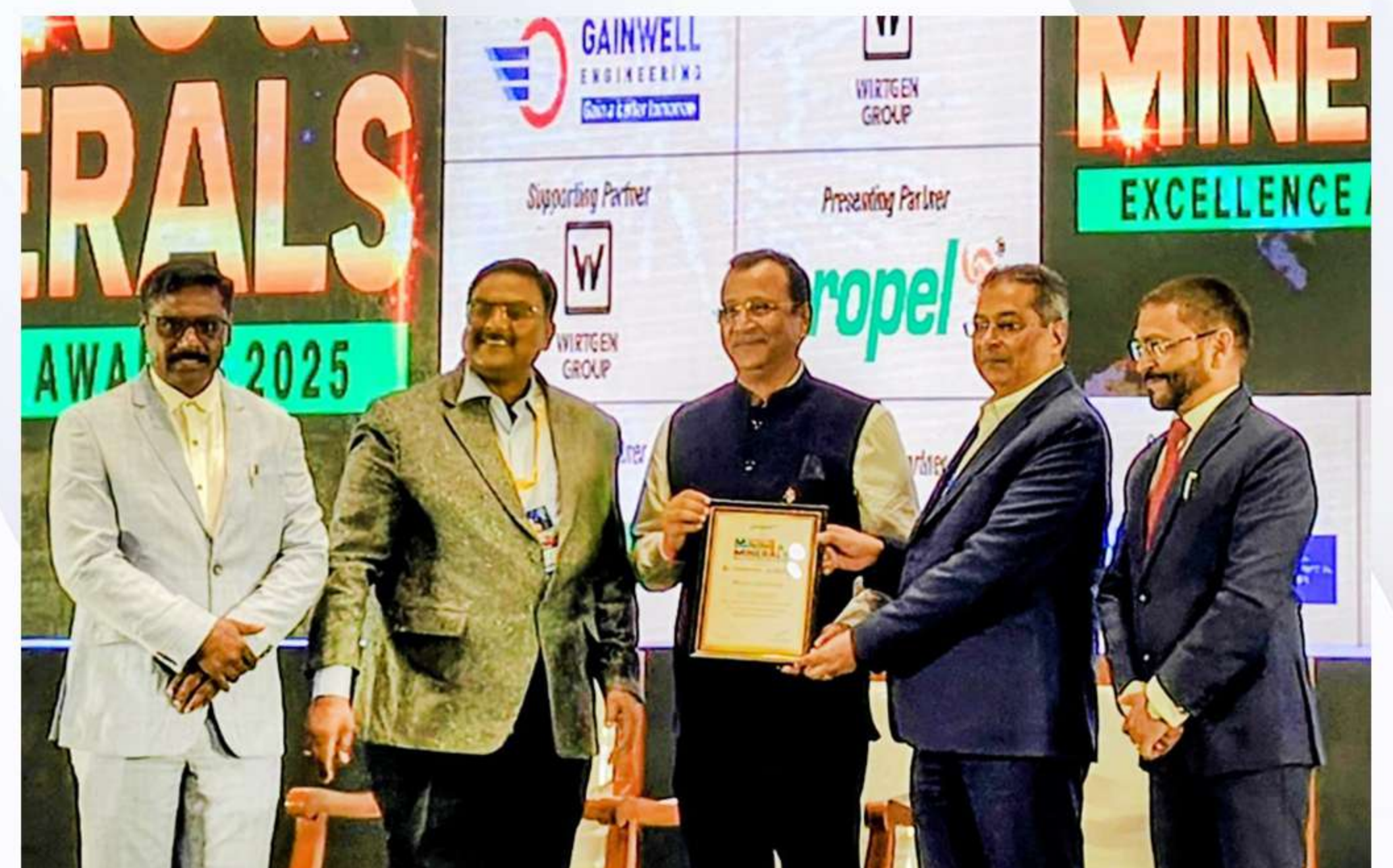
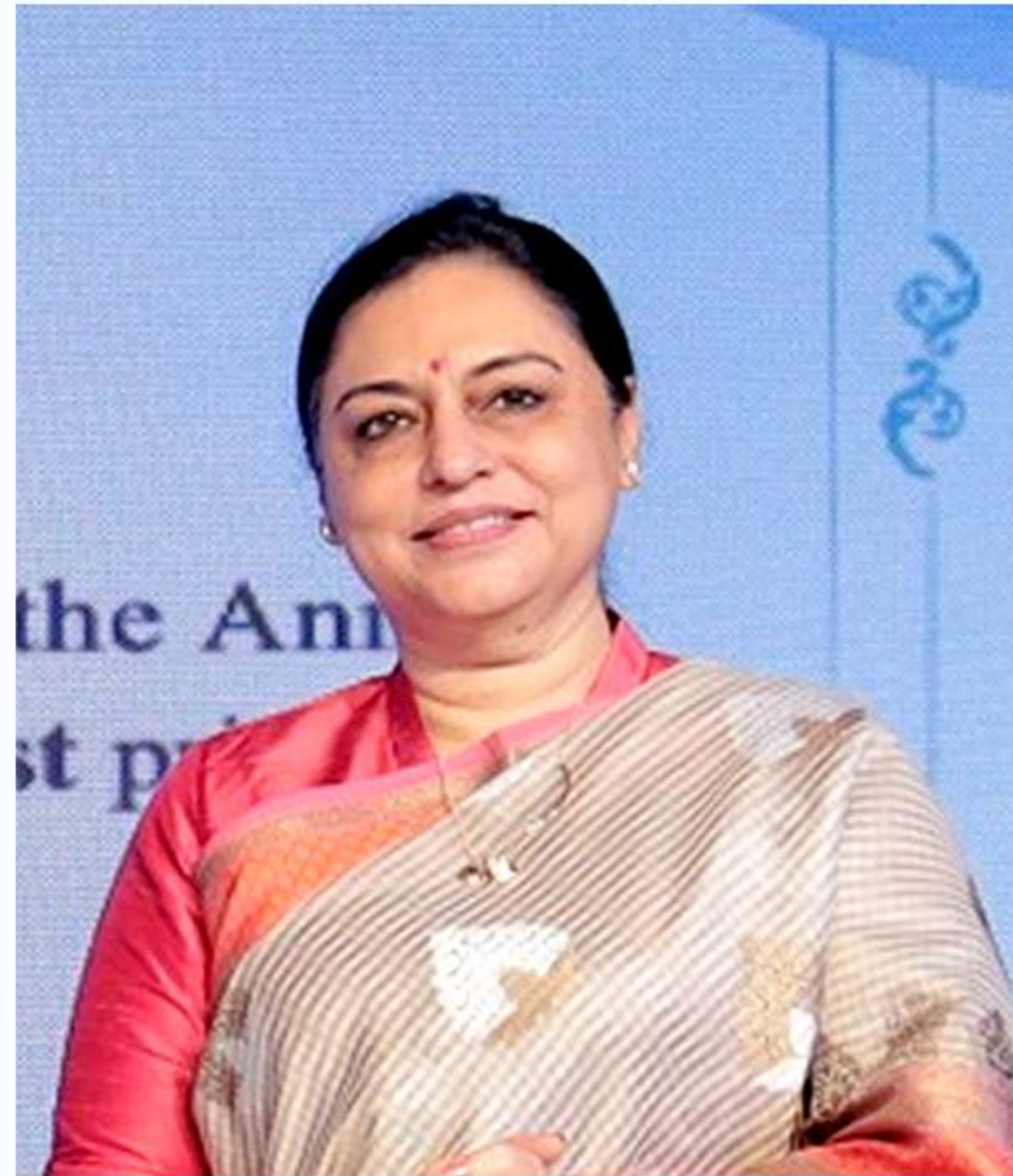
## Looking Ahead

Standing here at the end of 2025, with three years of CSR work under my belt at WCL, I don't feel like I've arrived anywhere. If anything, I feel like I'm just beginning to ask the right questions. The experience of implementing ADARSH Anganwadi is teaching me about the patience required for real institutional change. And my partnerships with organizations like PRADAN and PARARTH are showing me that when you get the partner right, your role changes from doer to facilitator, from problem-solver to system-builder.

CSR in a mining company has its contradictions. We operate in areas where mining itself creates challenges that CSR then attempts to mitigate. It's an imperfect arrangement. But within those constraints, I've discovered that meaningful work is possible. Real change can happen not because of grand gestures, but because someone took the time to understand a community, to partner respectfully, to build systems that last beyond the project timeline.

That's been my journey. It's messy, still ongoing, and I'm still learning. But I wouldn't trade these three years for anything.

# वेकोलि की कुछ झलकियाँ



# वेकोलि की कुछ झलकियाँ



WESTERN COALFIELDS LIMITED



5 DECADES OF UNEARTHING ENERGY



## CSR REWARDS & RECOGNITIONS 2025

### Swachhta Pakhwada Award (1<sup>st</sup> Prize)

Sri J.P. Dwivedi, CMD WCL receiving Swachhta Pakhwada Award (1<sup>st</sup> Prize) from Ministry of Coal for the third year in a row. The prize is handed over by Sri G. Kishan Reddy, Hon'ble Minister of Coal & Mines, Govt of India and Sri Vikram Dev Dutt, Secretary, Ministry of Coal



### CSR Excellence Award during 51<sup>st</sup> CIL Foundation Day

Sri J.P. Dwivedi, CMD WCL, Dr H.S. Pande, Director(HR) WCL & Sri G. Sitaraman, GM(CSR) WCL receiving the Corporate Award for CSR Excellence during 51<sup>st</sup> CIL Foundation Day 2025 handed over by Sri Sanoj Kumar Jha, Additional Secretary, Ministry of Coal & Chairman, Coal India Limited and Dr Vinay Ranjan, Director(HR), Coal India Limited.

### The "Corporate Philanthropist of the Year" Award

Sri G. Sitaraman, GM(CSR), WCL & his CSR Team receiving the "Corporate Philanthropist of the Year" award for CSR Project TARASH during the Corporate Philanthropy Conclave & Leadership Summit 2025 organized at IIM, Nagpur.



*Corporate Social Responsibility*



## A QUAGMIRE TO CROSS – A SHINE TO BE PASSED ON – CAN CSR BE THE TOOL



**HARI PILLAI**  
Manager (CD)  
Umrer Area

A simple of the cuff retort by a young girl from rural rustic Zilla Parishad school located near a coal mine, on being asked what did WCL Koyala Khadhaan gave you? She said: Kae Naahi, sirf “Bhoom” and “Bhaddam” (Nothing, only “Bhoom” and “ Bhaddam” sound of blasting- (Marathi to English).

It was a flash point of thoughts that CIL, a company with an embellished report card having profit of Rs 3500+ Cr, tagged as world’s largest coal miner and is the prime driver of India’s economic engine is looked down upon through the lens of absolute disdain by young impressionable mind. We as an organization is seriously missing to do something, another question beckoned in my thoughts, why CIL name is not percolated as stories of India’s success and made to understand that we have a big hand in country’s economic growth engine, why are we not put on with haloed platforms with likes of ISRO, DRDO, SAIL , BHEL etc and our organisation name not part of NCERT or State CERT books, as a student I knew the names of all these organization, but nay CIL, so for me the target to start with was, making CIL reach at least to the chapter of full forms in GK books for school.

These deep thoughts prodded me, and gave me some sort of clarity and direction to start and put energy on the management principle of Organic Growth. I embarked with the thought that before reaching the haloed stage rather let us work on the ground to build up the foundation before the multi-storey is laid upwards.

In this “short” note I am putting down the strategies which I relied on, of which some are on-going, some partially successful, some unsuccessful and some work in progress. These strategies are generally principles of management rather than pure community development thoughts, and it is purely driven by my orientation as a rural management graduate from my alam-matar IRMA, Anand. But I must truly say I learnt more by observing the management skills of Area General Managers who were at the helm of the Area, dealing with the ground level issues and taking the pressure of production targets along with them. Let us not forget at any point in time we are a business entity which needs to have optimum cash flows and profits from its business to sustain, but along with it we also have “responsibility” to spread our shine and light to all stakeholders.

CIL is a unique organization as we work with mother nature, the same mother nature which is giving coal resources to CIL to propel the nation (read energy convertor and major beneficiary of our product is away from the coal source) is also the resource giver to the inhabitants of the area, moreover coal mining is intrusive and brings drastic changes to surrounding way of life. Our Mine, especially





open cast mine operations have positive and negative externalities on social and economic ways of life. In my understanding, this above frame of sentences is the point of contention and root of all arguments which made that small girl retort with disdain. To take step into this “quagmire” is a challenge, which is unique to every area and every mine, such a situation builds one’s perspective and also provides a flexible path to solve these challenges, which were taken up during the course of work, Disclaimer added - “don't expect sure-shot, path-breaking or over the top solutions/strategies, as gestation social engineering is calculated in infinity”.

i.r.o problems arising due to mining operations, villages near coal dispatch route, villages/ villagers (future employees) who are in the ambit of CIL’s R&R policy , villages which have their natural resources (water/farm land/crops etc) getting affected due to mining operation. Assessment of these factors helps in listing a subset of villages around the mines where the mindset of its inhabitants towards WCL is filled with cynicism. This exercise as easy as it sounds, but on field is arduous and at best complicated as discerning facts from hearsay and gleaning actionable inputs after discussing with multiple stakeholders with a neutral outlook demands a treasure of patience and commitment towards the goal. With this exercise our “Targeting” of STP principle gets concluded, the target list evolves over time as new circumstances and challenges will keep evolving.

The next part of the module is about “Positioning” (read P of STP) through various approaches/pathways

**Medical Camps in Villages** - The medical camps are a unique way of approaching the community, over the period helping our presence felt and leading to entrenchment of our value system into the community. To create this foundation, general camps on regular basis (medical team visiting the village at least on monthly basis) with Doctors who are calm, even tempered and deliver medical services even if resources are unavailable (read lack of basic infra in places where camp is held). This medical team is the champion of our positioning strategy, and members of this team to be chosen who showcase high emotional Intelligence/quotient. As, they are the first line of our workforce intermingling with the last mile community. It is human need to vent out their frustration, anger and resentment, and it is necessary to give means and ways for (call it catharsis), and this camp is the place where it happens. This is melting pot where impressions are built, happenings in villages are communicated, demands of community can be heard, meeting with opinion makers and

To start with, we need to put light on the venerated Triangle of CSR system in which Fund provider, NGO (Implementing partner) and Recipients form a tight knit mould with synergistic relationship. The ultimate aim of CSR policy across the country is execution of CSR work through this triangle leading to development of an ecosystem which is professionally and metrics driven bringing in the management principles aiming at upliftment of communities.

**Set The Geography** - As per the STP (Segmentation, Targeting and Positioning) marketing principle, CSR policy gave us the geography (Segmentation) i.e 25 Kms (Aerial distance) around the mines. Now, factors such as, budget availability for the FY, villages raising continuous concerns to the mine management





lastly a touch of love, bond-building, sensitivity and medical care to ameliorate the physical pain. Without knowing your name but a sentence of acknowledgment: "Ek WCL ka sahab aata hey jo humari sunta hey" will be spoken and name of WCL will be engraved in their memories in positive manner

**Opinion Givers/Makers** - The concentric power circle or piggy riding concept is an intrinsic part of village life and socially connected community living, there would be power centres wielding power and access, additionally opinion makers with different set of followers, these opinion makers will keep showing the mirror to us. It is this challenge which has to be worked upon by creating a communication bridge and routing requirements of development works in the village by consulting them. This helps in on-field execution of work, a point of contact in village, getting feedback on the activity, to and fro information for actionable inputs.



**Target Govt Schools:** It is a universal truth accepted by everyone that education is one of best tool for social upward mobility. Irrespective of location, every parent want their children to get access to education, but in village scenario due to lack of exposure and limited resources there is a high probability of low infrastructure at village school. Taking up development work which targets Hygiene (Swachta) facilities, Tools for Quality Education, Awareness drive on various issues, Intervention

for menstrual hygiene, General Health Checkup of students, Bi-Cycles for travelling to school, Clean drinking water facility, Stage for cultural events, Solar panels for reducing electricity bill burden on school management. These interventions create an overall positive outlook, these school students act as a harbinger of our work to their families living in the village. The highest Social ROI is achieved through this intervention.

**Basic Infrastructure in Village:** The State machinery has multiple schemes and development activities lined up for villages, as part of CSR, it is pertinent to understand we need to understand the gaps in development work done by state govt. This has to be done through discussion with stakeholders of village, as a strategy one needs to take-up the burning issue (Drinking Water, Household Usage Water facility, Sanitation Infra, Safety ( Street Lighting) etc), such initiative instills a thought that we care for their life and pressing concerns. Such initiative adds value and gives an immense positive effect on their lives.

**Reduce pain points of Gram Panchayat:** The gram panchayat is responsible for operating and maintenance of the social infrastructure, which is a recurring expense for the body. If analyzed; electricity bills is one of the major heads of expense (pumping system, street lighting, garbage collection). Interventions like solar net metering systems on existing pumping systems and solar high mast can drastically cut down their expenses, indirectly leading them to save and invest the funds in capital assets and development of villages.

**State Machinery the Currency Givers to your name:** The humongous state machinery is built for providing aid and development work at the last mile. Sometimes due to delaid out rules, manpower paucity, non -availability of scheme and fund availability for the villages near our mines; can lead to expectation from us to fulfil the village needs. This is an opportunity in disguise to fulfil the requirement of villagers by us and keep the state machinery in loop. This



synergy can help our name being put up in higher circles in an affirmative manner.

**Involve/keep in loop the Mine Management:**

We are an mining company and our basic operation unit is coal mine, and all the interaction of our working/workforce with external interface (Parlance with management term) is from coal mine, the Unit management faces the first wave of heat from villagers and then requirements are received by them which is then sent to higher offices. The management posted in the mine is not responsible for implementation of developmental activities, but if they are involved they can interact with confidence with villagers and also give feedback on status of work. The coal mining operation should not only provide revenue but also a sustained goodwill of people around the mine.

**Youth/Sports club:** Multiple youth groups are available in villages, who organize sports events, festivals, poojas in the village across the year. These youth in the current scenario are a vibrant group and in future will become future leaders of the village. A harmonious relationship and participation with them in these events helps bond and create bon-homie. Moreover, for various skill development programme organized by WCL, the key parameter is mobilization of youth relationship with these youth groups can give a platform and quick information dissemination and coordination mechanism.

**Social Media/Employee Participation mechanism:**

The most powerful tool of this generation to spread messages. These platforms have pros and cons , as these tools don't have any censor, people can speak and write any content with impunity. Hence closed groups with known people are strategically better option, it can be considered as tiered structure, you spread the content to known person and then it get shared to others (offline as well as online). This drive is very challenging and technical, as we work in an organization our messages should be fully aligned with the

mission of the organization. One of the positive outcomes of this initiative is that our own employees come forward to pitch in ideas, time and connections for supporting the develop-mental activities.

**Budget Pangs:**

CSR is a expenditure account, in pessimist circles sometimes also termed as double taxation methodology on corporations. But organisations like ours which are built on a soul which questions and guides, prods you for deeper meaning in work and the outcome associated with it. This is a tool for making the personality of the organization a holistic one. But as WCL's CSR budget has been on a limited horizon, it is very complex to manage the scale and count of requirements of villages. The initial part in which discussion was on "Geography setting", taking up one work with maximum bang on every buck in terms of ROI, social acceptance, or word of opinion makers creates a running relationship and initiates trust building through "walking the talk".



**We are primed for crossing the bridge - At this point the "P-positioning" of STP is not only about how we are perceived by villagers but also how we have placed ourselves to move to next level of CSR implementation .** With many years of the above mentioned small myriad activities, through the channel of Gram panchayats, opinion makers, state govt machinery we have build bridge and a conduit between WCL and Village. In my perspective, this can be termed as priming of the CSR mechanism, and it is most critical before bringing in a partner/ implementing agency/NGO. NGO's mission is to

implement the project, but they might miss on the connection and ethos of our organization and relevance of our business. Hence priming of the village, trust building measures, walking the talk, showing the caring talk, showing the caring side of ours (medical camps) can help the implementing partner to piggy back on the goodwill and quickly entrench into the community (first steps of development project) leading to better outcomes. Additionally, if implementing partners are brought in initially without “priming”, it would be like - we will move with our business as-it-is and handling of the negative externalities of business is NGOs work, i.e we will outsource the handling of fundamental concerns of external effects of mining to a partner who has technical expertise of implementing the development project but does not understand why it is essential for our business and value system. The venerated triangle mentioned above is the only way forward to achieve scale and bring professionalism, but the success of this triangle is based on the watering of roots during the initial period by the funder itself.

**Questions Galore/ Technical and Social failures -**

Fundamental questions which are put across time and again, why we must do CSR, when we pay taxes and royalty, so it becomes the duty of state. We dont have complete answer yet, but the perspective behind CSR is guided by philosophy and now etched into the statute of corporate law. The labor laws got implemented due to the humongous agitation and petitioning as individuals’ rights were involved , in this scenario community rights are at stake, but community on large endures from push-pull in multiple directions and divisive forces can orient them to different directions as benefit accruing is not equal for everyone. Hence to make this a substantive, law was created and now work on implementation is in progress.

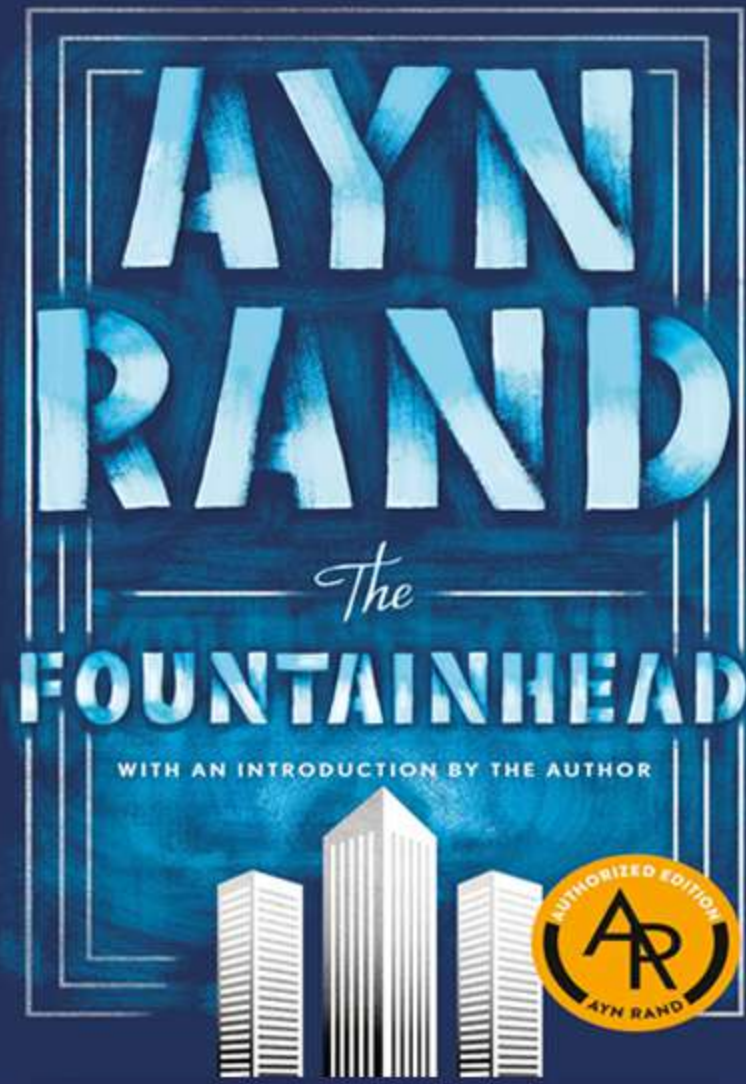
The approaches put in this articles are very much region based, and challenges in every area is different, the gap in this priming method during initial phase is low benefit accrued to the

community, for some activities as requirement received through Gram Pnchayat, opinion makers, state govt is created through bottom-up approach and detailed stakeholder analysis, hence infra based work may get unutilised and unmaintained, the feeling community asset get missed. But as I said, this can be a part of entrenchment cost, as the projects which will get implemented through partner organization are high cost and high stakes, in which failure rate has to be minimum.

**Way forward:** There are multiple paths and myriad approaches to work on CSR projects, and the scholars in the field have more or less come to a conclusion that the triangle approach is sustainable and outcome based. The question is when and how the partner organisation can be brought in, and can move towards seamless integration with our operations and also building a supervisory mechanism to ensure outcome based project implementation.

After the long monologue, let us get back to the question and assessment regarding our start point , when will our organization name be put in the school GK book, the answer lies in time and efforts by each of us, and making the young girl saying - Coal Mines do good for us from it’s heart.





## The Fountainhead

– by Ayn Rand

*"Whatever their future at the dawn of their lives, men seek a noble vision of man's nature and of life's potential." So opens The Fountainhead, a novel whose first line is a compass for its timeless journey.*

*Knowledge is a boundless treasure, accessible in whatever form one seeks. There is profound truth in the saying that books speak. Truly great books leave a decisive mark on every phase of life and every choice we make. One such book, which a mentor once guided me to read, was The Fountainhead—for which I remain deeply grateful. I believe it is a work nearly every intellectual encounters in their lifetime. Reading it is more than an intellectual rite of passage; it is an engagement with a living philosophy.*

## BOOK REVIEW



**GIRI BAHADUR THAPA**  
Manager (HR/Admin)  
WCL HQ

The Fountainhead stands as a towering, controversial monument to individualism and artistic integrity. More than a novel, it is a philosophical manifesto wrapped in the narrative of an uncompromising architect's struggle against societal conformity. Spanning decades and following the careers of several architects, the novel centers on Howard Roark, a genius whose revolutionary designs and refusal to compromise his vision bring him into conflict with every established institution—from academia and media to business and government. Through Roark's journey and the contrasting paths of those around him, Rand articulates her philosophy of Objectivism, which champions reason, individualism, enlightened self-interest, and the moral righteousness of pursuing one's own happiness.

### Plot and Structure

Ayn Rand's The Fountainhead is meticulously constructed, tracing Howard Roark's career from his expulsion from architecture school to his ultimate vindication. The novel is divided into four parts, each named for a central character—Peter Keating, Ellsworth Toohey, Gail Wynand, and Howard Roark—a structure that systematically explores the philosophical adversaries of Roark's ethos.

The first part establishes the core dichotomy through Peter Keating, the archetypal "second-hander" who achieves empty success through conformity and manipulation, starkly contrasting Roark's principled struggle.

Ayn Rand uses "Second Handers" concept not as a simple character flaw, but as a metaphysical and moral category that defines the central conflict of the novel. A second-hander is a person whose sense of reality is not the world itself, but other people's consciousness of the world. They do not ask, "Is it true?" or "Is it good?" They ask, "Do others think it's true?" or "Is it approved?" Their primary focus is not on the object, but on the subject—other subjects.

The philosophy of the second-hander is explicitly denounced in the novel's climax. Roark states: **"The man who attempts to live for others is a dependent. He is a parasite in motive and makes parasites of those he serves. The relationship produces nothing but mutual corruption."**

**The second part** introduces the antagonist Ellsworth Toohey, a cultural critic who weaponizes altruism and collectivism to erode individual genius and secure power over a mediocre mass. The third part delves into the tragedy of Gail Wynand, a newspaper magnate who built an empire by pandering to public taste, only to be destroyed by the very forces he empowered. The final part culminates in Roark's defiant act of dynamiting a corrupted public housing project and his monumental courtroom speech defending the sovereign individual's right to their own mind and work.

### Characters as Philosophical Embodiments

Rand's characters are stylized archetypes, representing philosophical positions. Howard Roark is the uncompromising ideal—rationality, integrity, and creative genius personified. He is less a conventional protagonist than a force of nature, inspiring admiration and criticism for his emotional austerity. Dominique Francon is the novel's most complex figure, moving from nihilistic despair to belief in greatness through her turbulent relationship with Roark. Ellsworth Toohey is the insidious intellectual villain, using collectivist philosophy to enslave minds, while Peter Keating embodies the hollow tragedy of conformity. Gail Wynand represents the powerful man who betters his potential, ruled by the masses he sought to control.

### The Morality of Selfishness

At its core, *The Fountainhead* is a radical moral defense of individualism and rational self-interest. It overturns the traditional virtue of self-sacrifice, arguing that the creator's primary obligation is to his own vision. Key themes include:

- **Integrity vs. Compromise:** Roark's refusal to compromise his architectural details mirrors his refusal to compromise his mind.
- **Independence vs. Second-Handedness:** The divide between the creator, who relies on his own reason, and those who derive their sense

of self from others.

- **The Nature of Love:** Romantic love is portrayed as an egoistic exchange between two strong, independent values, exemplified by the fierce relationship between Roark and Dominique.

### Strengths and Lasting Power

The novel's narrative force lies in its intellectual audacity and clarity. Rand's prose, though didactic, powerfully renders architecture as an extension of character and philosophy. Her critique of collectivism, mediocrity, and the tyranny of public opinion remains acutely relevant. Ultimately, *The Fountainhead* endures not as a balanced portrait of humanity, but as a majestic, uncompromising hymn to the defiant, creative self — a permanent challenge to examine the foundations of one's own convictions.

### Conclusion: An Uncompromising Vision

#### This novel champion:

- Holding firm to your principles and beliefs.
- Refusing to let others dictate your choices.
- Asking nothing, expecting nothing, and depending on nothing.

*The Fountainhead* is a work of philosophical passion that demands a response—it is nearly impossible to read with indifference. As literature, it is flawed by its didactic tone and schematic characterizations. As a work of ideas, it is brilliant, provocative, and unforgettably bold.

Ultimately, *The Fountainhead* endures not because it offers a balanced view of humanity, but because it gives majestic, uncompromising voice to a part of the human spirit too often silenced: the defiant, creative, independent self. It is a sustained hymn to the creator, a warning against the soul-destroying nature of conformity, and a challenge to every reader to examine the foundations of their own convictions.



# UTTARAKHAND IN THE HEART OF THE MOUNTAINS



**Chamarthi Ojaswini**  
Dy. Manager (Env.)  
WCL HQ

**F**rom my first journey to Himachal in 2015, the first glimpse from the bus window stayed with me—an open blue sky, ridges in soft whites and misty blues rising like candy peaks, and endless sheets of green. It was the kind of view that makes you breathe differently.

And it's not only the landscapes I love. It's the people - their deep respect for their roots, their bond with nature, their simple living and the way the entire town stand together through thick and thin. These are the small joys that stay with you.

This warmth always make me want to take a break from the busy buzz and return to mountains.

So, after a long time, my family & I travelled to Kumaon ranges of Uttarakhand. There's a saying "Journeys are more beautiful than the destination," but our Journey and Home stay in Uttarakhand were beyond anything words could express.

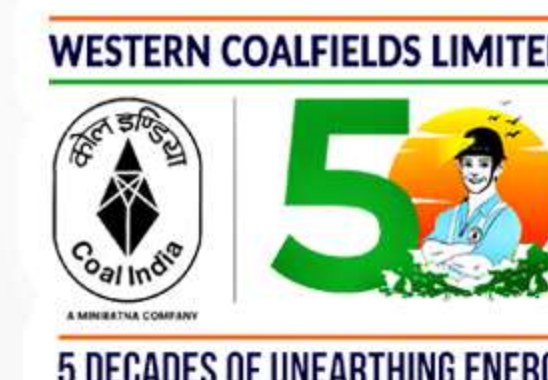
**Onward Booking details:** flight to Delhi, bus to Haldwani, and then taxi to Kasar devi, Almora our first stop, before finally making our way to Munisiyari.

## **Day 1 & 2**

Upon reaching Delhi, we took a bus to Haldwani. The buses usually run around midnight, between 12 and 1 a.m., from Kashmere Gate. After reaching, with help of our bus operator, we made our way to the Hosteller at Kasar devi, Almora. We were accompanied by a pastry chef from Gurugram who was going to his home town Almora.

Whole journey to Kasar Devi was like a roller coaster, twisting through sharp bends. It took a little while to adjust to the sudden altitude change. So we took some breaks on the way.

That day, we wanted to spend the day simply strolling around the town. After settling into The Hosteller, we asked about the local food.



Fellow hostellers told us that the Kasar Devi kitchen serves really good meals. So we walked 2 km through deodar woods, joined by friendly local dogs, and enjoyed a simple and delicious lunch- brown rice, palak dal, bhang ki chutney, ragi roti, and a millet sweet- with the Nandadevi peak in the backdrop.



After lunch, we made our way to watch the sunset at Kasar Devi temple, which is just 500m away from our stay. The orange hues across the evening sky felt truly magical. Temple surroundings make you lose yourself in quiet moments, taking a moment to simply breathe in the stillness. A lot of monkeys were there in temple premises, reminded us of the curd & banana incident at Ravana falls in Sri Lanka.

While watching sunset, Sriram suddenly pointed me to a lizard crossing right beside me. I jumped in fear- ha ha - but the silence around us brought us back to stillness. On our way back we met our fellow hosteller Yashika- an energetic solo traveller & CA, exploring Uttarakhand on her bullet. Our day was incredibly relaxing.

The Next morning, while strolling around, I called a friend who told me that Kasar Devi is known for its unique geomagnetic properties believed to be a part of Van Allen Belts, creating a spiritual and positive energy. May be that's why the place felt so peaceful.

After breakfast, we rented a bike and rode 40km to Jageshwar Dham passing through the valleys and mountains.

The Dham is believed by many to be one of the Jyotirlingas sites, though not officially recorded. We spent quiet time walking around the temple complex and talking to a priest. Later, I went from shop to shop looking for a small souvenir and picked a few simple wooden toys to keep as show pieces at home.



On our way back, we stopped for the famous Pahadi-Wala Maggi and a hot cup of chai. Later, we visited the Chitai temple- where everyone ties their messages or wishes to the bells- quite faith. We left our wishes there too, becoming a small part of the temple's tradition.

The ride after that was beautiful, the sky above and the sun shining across the valley & town below.

That evening was Diwali. We celebrated with crackers at the hosteller. Yashika, Sriram and I lit flower pots and fuljhadis together in a line at a count of three, enjoying the burst of sparklers at the same moment.



Later that night, we all sat outside, looking at the twinkling lights of Almora scattered across the mountains. With warm honey-ginger-lemon tea in our hands, we ended the day sharing travel stories to tiny details of our daily lives.

### Rest of the days

Our journey towards Munisiyari started early morning around 7 am. It takes 8 hours to reach Munisiyari from Almora. Hosteller doesn't serve breakfast before 9am, so we had paneer and gobi parathas on our way. I knew only one route to Munisiyari from Binsar, as the road towards Binsar is rough, our driver Neeraj took us from the some route we followed to Jageshwar dham and then took a route through Seraghat.

On our way, we stopped at birthi waterfall for a short break. Cooking became some of the sweetest memories of the trip. A little further along, we met three little children from a nearby village, busy making a tiny cycle out of sticks and wires. One of them jokingly said that I might kidnap him. I smiled told him, "No, nothing like that". He nodded as if satisfied and then hummed as sweet, playful "bye bye bye bye" before running off. Their innocence felt sweeter than anything I could have capture in a photo.

Finally we reached our home stay, managed by a community-owned tourism initiative- Himalayan Ark. I first came to know about this community through Shivya Nath, a sustainable traveller. Our stay was with Chanda Didi and her mother-in-law, "Amma". They welcomed us with so much warmth and care. Amma kept reminding us to wear sweaters so we wouldn't catch a cold. When we arrived, both of them were cutting home grown vegetables for dinner.

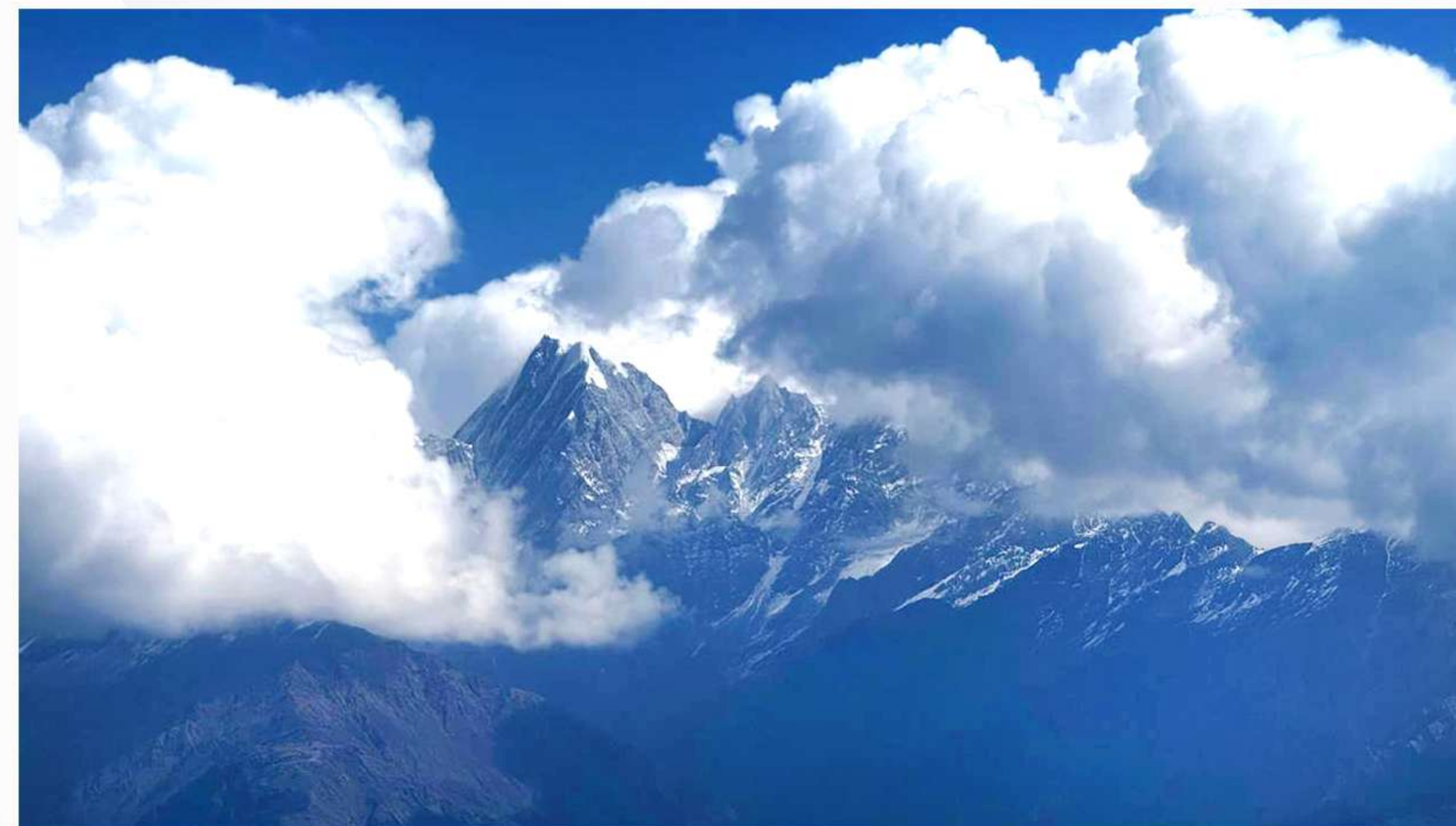


After freshening up I joined them in their little cooking room. Amma preferred cooking on the chulha instead of gas, and the whole room was stacked with wood. The warmth of that cozy room, and the small conversations we shared while cooking become some of the sweetest memories of the trip.

Everyday, we all sat together for our meals, simple dal, ragi roti, baang ki chutney and rice. After serving all of us on plates, Chanda Didi would eat straight from the kadhai, those moments felt so raw & unfiltered.

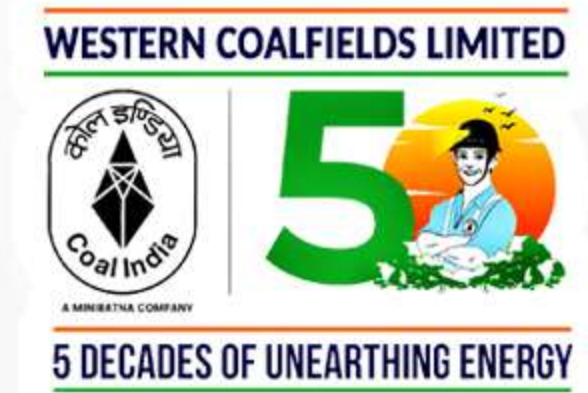
The next day, we had planned an early morning trek to Khaliya top. Amma told us she would prepare aloo sabzi and rotis and pack them for us. Sriram had caught cold, so that night amma made us kadha and told us sleep early so we could wake up fresh for the trek. We made ourselves comfortable and watched crime series for a while and then took a refreshing nap.

The next morning, when I woke up, Amma told me to go up to the terrace and enjoy the sight of the Panchachuli peaks. The quiet morning light, Snowy Peaks & chilly weather- so peaceful.

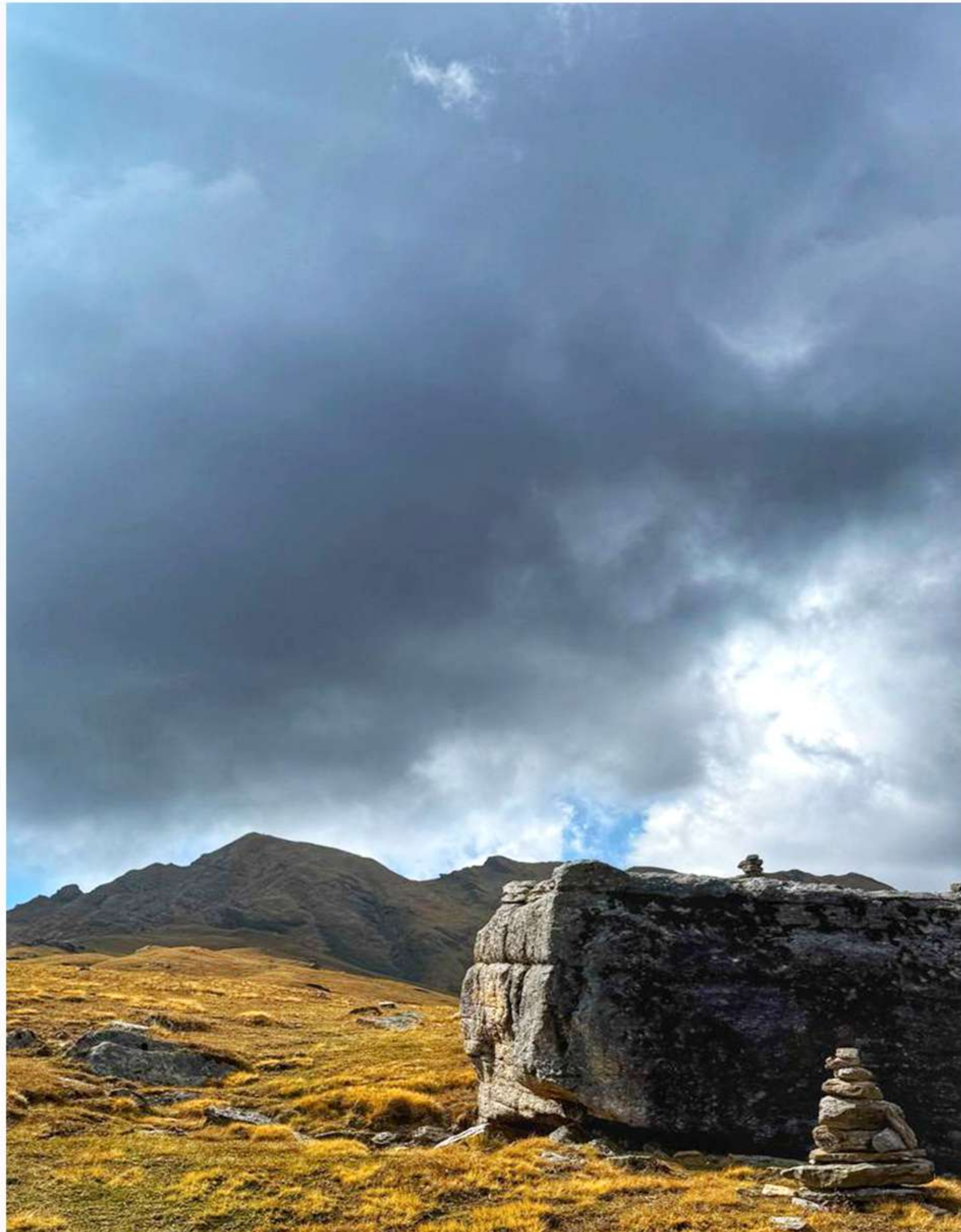


After breakfast, we started the trek along with our driver, with all our food packed. The entire Trek climbing up and coming back- took almost 7 hours. The decent was easy. I wasn't confident about reaching the top because I hadn't been working out for so many days, but still... I made it. I reached the top.

Sriram and bhai kept taking the shortest routes for reaching the top, while I followed the main trail at my own pace.



The Trek took us through serene forests and up to bugyal top. The trail never stopped surprising us. At our first halt, we opened our lunch. Amma had made the baang ki chutney in the old fashioned way, without using a jar to mix it. It was yummy that I didn't share it with anyone.



I collected an autumn leaf during the trek for memory, and it is safe inside the book that I carried along with me for the trip.

We ended the day with conversations with Kashish-Chanda Didi's child- and everyone while having dinner Kashish had prepared semiya sweet for us, and it was delicious.

The next day, we woke up leisurely, had breakfast, and spent some quiet time reading a novel. There was a big deodar tree, where I sat with my book, soaking in the sun and beautiful view of Munisiyari. This deodar tree is the landmark we were told to look for while reaching our stay.

This community where we stay is managed by Malika Didi, originally from Delhi but settled here for over thirty years. Through the village Van Panchayat of Sarmoli, she has developed a strong community-based tourism model in Munisiyari. Khashih and her friend Nidhi, took us to Mam's house, guiding us through the beautiful, narrow lanes on the hill top.

We were glad to meet her. She is around 55 now and has dedicated herself to helping people sustain their livelihoods locally, using technology to support environmental and cultural conservation. This community promotes women empowerment through tailoring managing homestay, running a small local café, and preserving nature & culture.

We had a wonderful conversation with all community members—sharing about our work & learning about theirs. They are all working toward sustainable living in these mountains, maintaining homestays with just the basic necessities and leading a grounded life.

At the end of our conversations, Mam had thrown an open ended question: why is everyone leaving to live in cities? How important as farmer is? tourism... We simply smiled—without any answers. This community is trying their best to preserve their culture at Munisiyari.

While writing my experience, I remembered a conversation with mam about a platform called Voices of Rural India. I checked the site, and found a beautiful story about the Paiya tree beside the same deodar tree I was mentioned earlier - how it symbolizes the deep connection between nature and culture. There are so many stories told by people of Munisiyari, with no desire to live anywhere other than their village Simoli.

After that, we ended our day with a visit to the Nanda Devi temple along with Kashish and Nidhi. We relived our childhood with them, played leg touch, jumped on the bungee mat, and obviously I was clicking pictures of Nidhi with her signature pose. Later, we binge-played ludo while having momos.

The next morning, as we left with bags full of home grown vegetables that amma packed for us, I remembered a quote from the café "*We are like snowflakes- each different in our own beautiful way*". Before we left, amma also took us to the temple inside her home. Unforgettable & precious.

Returned back to Almora by taxi and took the same route back to Delhi.

# THE NAGPUR CENTRAL MUSEUM

- By **Paridhi Verma**  
Assistant Manager (HR)



The Nagpur Central Museum, popularly known as Ajab Bangla, stands as a significant repository of history and culture situated in the center of Nagpur, Maharashtra. Established in 1863, it ranks among the oldest and most renowned museums in India, housing an extensive array of artifacts, fossils, and relics spanning various historical periods. The museum's inception was guided by Sir Richard Temple, the Chief Commissioner of Nagpur at the time, with substantial contributions from royal families and the local rulers. Over the years, it has become instrumental in preserving the archaeological, natural, and ethnographic heritage of the region.

Within its premises, the museum boasts eleven specially curated galleries. The Natural History Gallery displays dinosaur fossils, mineral stones, antlers, reptiles, fish, and invertebrates, providing a glimpse into the region's prehistoric life. The Tribal Gallery presents everyday objects used by tribal communities, reflecting their rich and diverse cultural traditions. The Arms and Armor Gallery showcases weapons and protective gear from various historical eras, illustrating the martial heritage of the area. The Nagpur History Gallery contains antiquities unearthed from Sarasvati-Indus and Kaundinyapura excavations, along with chalcolithic site artifacts, ancient coins, and stone inscriptions that narrate the region's past. The Sculpture Gallery exhibits stone sculptures of deities such as Buddha and Vishnu, alongside other mythological figures, while the Art Gallery features unique paintings from the Bombay School of Art, highlighting artistic developments in the region.

The museum is well-equipped to accommodate visitors with multilingual support and trained guides who enhance the educational experience. Accessibility features include wheelchair ramps, elevators, and accessible washrooms, ensuring a comfortable visit for all. Additional amenities include clean restrooms, a cafeteria, and a souvenir shop. Photography is permitted in most galleries, allowing visitors to capture their experience.

Located on Wardha Road near Hitaneem Durga Square in Civil Lines, Nagpur, the museum operates from 10:00 AM to 5:00 PM, remaining closed on Mondays and public holidays. Entry fees are modest, with adults charged ₹10, children under 12 years ₹5, and foreign nationals ₹100. The Nagpur Central Museum offers a rich and immersive experience for history buffs, students, and tourists, blending education with exploration in a culturally significant setting.





## QUIZ

### प्रिय पाठकों,

"प्रगति" पत्रिका के इस अंक में हम आपके लिए लाए हैं एक ज्ञानवर्धक क्विज़, जो भारतीय कोयला उद्योग से संबंधित है। नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर देकर आप जीत सकते हैं आकर्षक उपहार।

### नियम:

- प्रश्नों के उत्तर भेजने के लिए नीचे दिया गया QR Code स्कैन करें।
- सही उत्तर भेजने वाले पहले 5 पाठकों के नाम अगले अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।
- विजेताओं को आकर्षक उपहार प्रदान किए जाएंगे।
- प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से केवल एक सही उत्तर है।

#### 1. WCL was carved out of ?

- A. SCCL    B) CMAL    C) NCL    D) ECL

#### 2. WCL operates mainly in the states of:

- A. Maharashtra & MP    B. MH & Chhattisgarh  
C. MP & Gujarat    D. Odisha & Maharashtra

#### 3. Reclaimed WCL mines are often converted into:

- A. Eco Parks    B. Solar Plants Only  
C. Housing    D. Workshops

#### 4. Major coal output of WCL comes from:

- A. UG Mines    B. OC Mines  
C. Shaft Mines    D. Mixed Mines

#### 5. WCL contributes approx. how much to CIL production?

- A. 3-5%    B. 6-7%    C. 8-10%    D. 12-14%

#### 6. Flagship digital surveillance initiative of WCL is:

- A. Smart Rescue    B. ICCC  
C. Green Coal    D. Robo Mining

#### 7. For real-time tracking of vehicles, WCL uses:

- A. Radar    B. GPS-VTS  
C. Barcode    D. RFID Stickers

#### 8. What is coal gasification?

- A) Burning coal directly for power  
B) Converting coal into cleaner gaseous fuels and chemicals  
C) Washing coal with water  
D) Transporting coal through pipelines

#### 9. In WCL, Coal NEER primarily refers to:

- A) Coal export policy  
B) Energy generation from coal  
C) Utilisation of coal mine water through RO plants for drinking purposes  
D) Coal blending process

#### 10. WCL Sand Plants are mainly established to:

- A) Import river sand  
B) Dump overburden material  
C) Produce manufactured sand (M-Sand) from overburden and mine waste  
D) Store coal

उत्तर भेजने के लिए  
QR CODE स्कैन करें



### Winners of Last Quiz (Issue: July - September 2025)



Aseem Ali Palliparambil  
Dy Manager (Env)  
WCL HQ



Prashant A. Wanjari  
Sub Station Attendant,  
Umrer Area



Abhinandan bedua  
Assistant Manager  
Pench Area



Chetan Shankar Chide  
Dy. MANAGER (IE)  
WCL HQ



Rakesh Kr. Mechu  
Dy. Manager (Excv.)  
WCL HQ

Congratulations, please collect your prize from PR Dept, WCL HQ

### Best Article

(July - September 2025)



Hemant Podila  
Dy. Manager (IE)  
D(HR) Sectt, WCL HQ

### Answers of Last Quiz From Pragati (July - September 2025)

1. (A)    2. (C)    3. (A)    4. (C)    5. (A)    6. (A)    7. (D)    8. (C)    9. (A)    10. (B)



# वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एक मिनी रत्न कंपनी  
कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी

## प्रगति

वेकोलि की त्रैमासिक पत्रिका

जनसंपर्क विभाग, वेकोलि द्वारा प्रकाशित



Scan To Download E-Magazine



Western Coalfields Limited



@teamwcl



@westerncoalfieldslimited304



@TeamWCL



westerncoal.in